 Roll No. ……..

CAM–01

आयुर्वेद एवं मूल सिद्धान्त

Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM–16/17)

Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आयुर्वेद के आठ अंगों का वर्णन कीजिए।
2. चिकित्सा पर निबंध लिखिए।
3. आयुर्वेद अवतरण पर प्रकाश डालिए।
4. दोषों के विभिन्न भेदों का वर्णन करते हुए उनके उपचार पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अगदतंत्र का वर्णन कीजिए।
2. आयु का वर्णन कीजिए।
3. स्वस्थ पुरुष के लक्षणों को बताइये।
4. दोषों के चयादि काल का वर्णन कीजिए।
5. महाभूतों के विशेष गुण का वर्णन कीजिए।
6. औषध सेवन काल का वर्णन कीजिए।
7. त्रिविध रोग मार्ग का वर्णन कीजिए।
8. व्यायाम को परिभाषित कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $(\frac{1}{2})$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. आयुर्वेद के अंग हैं :
   (अ) 7
   (ब) 5
   (स) 8
   (द) 4

2. शरीर चेष्टा या चेष्टा स्थैर्यार्था ..... कहा गया है।

(अ) आचमन के लिए

(ब) व्यायाम के लिए

(स) दिनचर्या के लिए

(द) उपर्युक्त सभी

3. अश्विनीकुमारों ने आयुर्वेद की शिक्षा दी थी :

(अ) इन्द्र को

(ब) ब्रह्मा को

(स) कश्यप को

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. आयुर्वेद की रचना की थी :

(अ) ब्रह्मा ने

(ब) इन्द्र ने

(स) दक्ष प्रजापति ने

(द) उपर्युक्त सभी ने

5. कुटी प्रावेशिक है :

(अ) Indoor Management

(ब) Outdoor Management

(स) (अ) और (ब) दोनों

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

सत्य/असत्य बताइये :

6. आयुर्वेद का सर्वाधिक उपेक्षित अंग अगदतंत्र है।

7. आयु के चार प्रकार हैं।

8. स्वस्थ पुरुष में दोष सम होते हैं।

9. सुश्रुत संहिता का निर्माण चार स्तरों पर हुआ है।

10. अष्टांग हृदय सूत्रस्थान में 30 अध्याय हैं।